

राजस्थान वनियोग (संख्या-3) वधियक, 2022 ध्वनमित से पारति

चर्चा में क्यों?

21 सतिंबर, 2022 को राजस्थान वधानसभा ने राजस्थान वनियोग (संख्या-3) वधियक, 2022 को ध्वनमित से पारति कर दया।

प्रमुख बदि

- वधियक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री और वधियक बुलाकी दास कलला ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरी तरह से राजकोषीय उत्तरदायतिव और बजट प्रबंधन अधनियम (एफबीआरएम) का पालन कया है। राज्य का राजकोषीय घाटा 5 प्रतशित से कम रहा है, जबकि 2016-17 में यह 09 प्रतशित था।
- उन्होंने बताया कि सरकार के ऑन टैक्स रेवेन्यू में 28 प्रतशित और नॉन टैक्स रेवेन्यू में 23 प्रतशित की बढ़ोतरी हुई है। बेहतर वत्तीय प्रबंधन की वजह से अगस्त, 2021 में राजस्व प्राप्ति 90 हजार 11 करोड़ रुपए प्राप्त हुई थी, जो इस वर्ष अगस्त में 1 लाख 30 हजार 777 करोड़ रुपए पहुँच गई है।
- प्रभारी मंत्री ने बताया कि सरकार ने अनुपूरक अनुदान की मांगें आरजीएसएस, ईआरसीपी, नेहरू यूथ हॉस्टल (दिल्ली), इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, जयपुर मेट्रो, उड़ान इत्यादी के करयान्वयन के लिये ली हैं। सरकार का मकसद कैपिटल असेट्स बनाना और पैसे का सदुपयोग करना है।
- वधियक को सदन में रखते हुए उन्होंने बताया कि यह वधियक वत्तीय वर्ष 2022-23 की सेवाओं के लिये राज्य की समेकति नधि में से कतपिय और राशियों के संदाय एवं वनियोजन को प्राधकृत करने के लिये लाया गया है। वधियक पारति होने से 4 हजार 402 करोड़ 12 लाख 18 हजार रुपए की राशि संदत्त और उपयोजति की जा सकेगी।
- इससे पूर्व वधानसभा ने अनुपूरक अनुदान की मांगें वर्ष 2022-23 (प्रथम संकलन) को भी पारति कया। प्रभारी मंत्री कलला ने मांगों का उपस्थापन कया, जसै सदन ने मुखबंद का प्रयोग कर पारति कर दया।